

BA (Hons) Hindi
Semester V: DSE
भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग सिद्धांतों का स्वरूपगत विभेद तथा परंपरा का आद्यंत परिचय।
- भारतीय एवं पाश्चात्य विविध नाट्य रूपों के दार्शनिक चिंतन के अंतर की जानकारी।
- भारतीय तथा पाश्चात्य नाट्य रूपों की व्यावहारिक तथा प्रयोगात्मक जानकारी।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के भेद तथा प्रकारों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के आदान-प्रदान से निर्मित आधुनिक नाट्य रूपों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य रूपों की विविधता से परिचय के बाद समकालीन रंग परिदृश्य की बेहतर समझ विकसित होगी।

इकाई-1 :

(12 घंटे)

- नाटक की भारतीय अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)
- नाटक की पाश्चात्य अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)

इकाई-2 :

(12 घंटे)

- भारतीय नाट्यरूप : रूपक, उपरूपक, नाटक (प्रकार तथा भेद)
- आधुनिक भारतीय नाट्यरूप : काव्य नाटक, एकांकी, रेडियो नाटक, नुक्कड़ नाटक

इकाई-3 :

(9 घंटे)

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत
- अरस्तू : विरेचन सिद्धांत

इकाई-4 :

(12 घंटे)

- पाश्चात्य नाट्यरूप : त्रासदी, ड्रामा
- पाश्चात्य नाट्यरूप : कामदी, मेलोड्रामा

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. भरतमुनि; नाट्यशास्त्र
2. नगेंद्र, डॉ.; भारतीय नाट्य चिंतन
3. चेनी, शेल्लडान; रंगमंच
4. ओझा, दशरथ; हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
5. त्रिपाठी, राधावल्लभ; नाट्यशास्त्र विश्वकोश
6. गार्गी, बलवंत; रंगमंच
7. दीक्षित, सुरेंद्रनाथ; भरत और भारतीय नाट्यकला, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली ।
8. चातक, गोविंद; रंगमंच : कला और दृष्टि
9. चतुर्वेदी, सीताराम; भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच, हिंदी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ ।
10. जैन, नेमिचंद्र; रंगदर्शन
11. लाल, लक्ष्मीनारायण; रंगमंच : देखना और जानना
12. त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण; नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान
13. राय, डॉ. नर्वदेश्वर; हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप

BA (Hons) Hindi
Semester V: DSE
हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी सिनेमा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना ।
- हिंदी सिनेमा के विकास के विभिन्न चरणों से परिचय कराना ।
- हिंदी सिनेमा के माध्यम से भारतीय समाज एवं संस्कृति का बोध कराना ।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार की ओर अग्रसर होना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी सिनेमा की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समझ विकसित होगी ।
- हिंदी सिनेमा की विकास-यात्रा के विभिन्न चरणों से परिचित होंगे ।
- हिंदी सिनेमा में निहित समाज एवं संस्कृति के अंतर्संबंधों के विश्लेषण में समर्थ होंगे ।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार से परिचित होंगे ।

इकाई 1 : हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय

(11 घंटे)

- हिंदी सिनेमा का स्वरूप
- हिंदी सिनेमा के प्रमुख चरण – मूक सिनेमा, सवाक सिनेमा, रंगीन सिनेमा, ओटीटी सिनेमा
- सिनेमा के प्रकार – लोकप्रिय/व्यावसायिक सिनेमा, समानांतर/कला सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, विश्व सिनेमा

इकाई 2 : हिंदी सिनेमा का बाजार

(11 घंटे)

- सिनेमा : कला अथवा उत्पाद
- तकनीक और ब्रांड का बाजार
- गीत और संगीत का बाजार

- विश्व बाजार में भारतीय सिनेमा

इकाई 3 : सिनेमा का बदलता स्वरूप

(11 घंटे)

- स्वतंत्रतापूर्व हिंदी सिनेमा एवं मूल्यबोध
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी सिनेमा : सामाजिक-सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और आर्थिक परिप्रेक्ष्य
- वैश्वीकरण और हिंदी सिनेमा – रीमेक सिनेमा, सौ करोड़ी सिनेमा, बायोपिक सिनेमा, सीक्वल सिनेमा
- क्षेत्रीय सिनेमा का वैश्विक बाजार

इकाई 4 : फिल्मों का (सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि दृष्टियों से) अध्ययन

(12 घंटे)

- पूरब और पश्चिम
- मेरा नाम जोकर
- जंजीर
- दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे
- दंगल
- बॉर्डर

विशेष: उपरोक्त में से कुछ फिल्मों तीन वर्ष के अंतराल पर अकादमिक परिषद की सहमति से बदली जा सकती हैं।

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. मृत्युंजय; हिंदी सिनेमा के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
2. चड्ढा, मनमोहन; हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. बिसारिया, डॉ. पुनीत; भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
4. ब्रह्मात्मज, अजय; सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. दास, विनोद; भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, शहादरा, दिल्ली।
6. ओझा, अनुपम; भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. राय, अजित; बॉलीवुड की बुनियाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, जय; सिनेमा बीच बाजार, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSE
हिंदी यात्रा साहित्य

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी यात्रा साहित्य	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के माध्यम से समाज एवं संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता के भाव-बोध को जागृत करना।
- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी यात्रा साहित्य के लेखकों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व से परिचित होंगे।
- यात्रा वृत्तांत के माध्यम से पर्यटन के प्रति रुचि विकसित होगी।

इकाई 1 : यात्रा साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

(12 घंटे)

- यात्रा साहित्य का अर्थ और स्वरूप
- यात्रा साहित्य का महत्त्व
- यात्रा साहित्य की विशेषताएँ

इकाई 2 : हिंदी यात्रा साहित्य का विकासात्मक परिचय

(12 घंटे)

- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- यात्रा साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1

(12 घंटे)

- किन्नर देश में – राहुल सांकृत्यायन
- अरे यायावर रहेगा याद – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2

(9 घंटे)

- चीड़ों पर चाँदनी – निर्मल वर्मा (अनुक्रम के अनुसार केवल 9वां यात्रा संस्मरण ‘चीड़ों पर चाँदनी’)
- कामाख्या क्षेत्रे गुवाहाटी नगरे – सांवरमल सांगानेरिया (पुस्तक : ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सांगानेरिया, सांवरमल; ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।
2. सांकृत्यायन, राहुल; किन्नर देश में, किताब महल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली ।
3. अज्ञेय; अरे यायावर रहेगा याद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
4. वर्मा, निर्मल; चीड़ों पर चाँदनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. उप्रेती, रेखा प्रवीण; हिंदी का यात्रा साहित्य, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली ।
6. नगेंद्र, डॉ; साहित्य का समाजशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
7. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
9. शर्मा, मुरारीलाल; हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली ।